कोर्स वर्क संगीत 2020-21
उच्च पेपर संगीत

1 नाट्यशास्त्र के अनुसार नाट्योत्पत्ति तथा नायक-नायिका भेद।

2. परिभाषाएँ → काकु, आड़, कुआड़, बिआड़, आश्रय, राग, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, स्वस्थान, नियम, प्रबंध, वस्तु, रूपक भेद, नाट्य, नृत्त, नृत्य, तांडव, लास्य, पेशकार, कायदा, रेला, लग्गी, लड़ी।

3. गायन, वादन तथा नृत्य के घराने एवं विशेषताएँ।

4. वैदिक काल से मध्यकाल तक भारतीय संगीत (गायन, वादन और नृत्य) का इतिहास।

5. भरतकृत सारणा-चतुष्टयी। प्राचीन तथा मध्यकालिन ग्रंथकारों के श्रुति सिद्धांत और पूर्व रंग का अध्ययन।

6. रस निष्पत्ति का सिद्धांत एवं उसके प्रकारों का अध्ययन। गायन, वादन और नृत्य में रसनिष्पत्ति का महत्व।

7. इलेक्ट्रानिक वाद्यों के गुण-दोष, नर्तक-नर्तकी के गुण-दोष एवं वादकों के गुण-दोष का ज्ञान के साथ-साथ ख्याल, धमार, टप्पा, तराना, तिरवट, चतुरंग, ठुमरी, कजरी, चैती, होरी, भजन, गजल आदि का अध्ययन।

8. शास्त्रीय और लोक संगीत-नृत्य तथा वाद्यों का अध्ययन। (गायन, वादन और नृत्य के संदर्भ में)

9. निम्नलिखित ग्रंथकारों एवं उनके ग्रंथों का परिचयात्मक अध्ययन:—
(i) भरत- नाट्यशास्त्र (ii) नंदिकेश्वर- अभिनयदर्पण, (iii) शारंगदेव-संगीत रत्नाकर, (iv) अहोबल - पारिजात, (v) धनन्जय - दशरूपक।

10. रागध्यान तथा रागरागिनी चित्रीकरण। नृत्त हस्त का अध्ययन।

11 ताल के दश प्राणों का अध्ययन।

24/9/2020
(प्रो० बी.डी. मानिक)
अध्यक्ष, संगीत (नृत्य) विभाग

Prof. Dr. B.D. MANIK
Head of Department (Dance)
V.R.G. Girls P.G. College, Morar Gwalior